उनके दो पुत्र कादर बख्श और पीर बख्श थे कादर बख्श के तीन पुत्र हुऐ :- हद्दू, हस्सू व नत्थू खाँ। इस परंपरा में बालकृष्ण बुआ - इचलकरन्जीकर, बाबा दीक्षित आदि बालकृष्ण बुआ के शिष्य पं० विष्णु दिगम्बर पलुस्कर थे। स्व० विनायकराव पटवर्धन, स्व० वीर रा० कशालकर, स्व० ओंकार नाथ ठाकुर आदि विष्णु दिगम्बर पलुस्कर के शिष्य थे। हद्दू खाँ के दो पुत्र थे - रहमत खाँ और मुहम्मद खाँ। नत्थू खाँ के दत्तक पुत्र उ० निसार हुसैन खाँ थे। निसार हुसैन की शिष्य परंपरा में शंकर राव, पं० भाऊराव जोशी, पं० रामकृष्ण बुआ वझे, राजा भैया पूँछवाले आदि

ग्वालियर घराने की विशेषतायें :-

1) ध्रुपद अंग के ख्याल
2) जोरदार तथा खुली आवाज
3) बहलावा से विस्तार
4) गमक का प्रयोग
5) सीधी तथा सपाट तानों का विशेष प्रयोग
6) लयकारी और कभी-कभी लड़न्त
7) ठुमरी के स्थान पर तराना-गायन
8) तैयारी पर विशेष बल

आगरा घराना

इस घराने के प्रवर्तक सुजान खाँ थे। आगे चलकर इस घराने का प्रचार घग्गे खुदाबख्श द्वारा हुआ। वे ग्वालियर के नत्थनपीरबख्श के शिष्य बन गये थे। इस प्रकार ग्वालियर घराने की विशेषता आगरा चली गई।

contin...P.T.O -

Scanned with CamScanner